आइआइएम देगा खेल प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा

किसी भी आइआइएम में नहीं पढ़ाया जाता खेल प्रबंधन, कोर्स की शुरुआत कर पहला संस्थान बना रोहतक का आइआइएम

जागरण संवाददाता, रोहतक : अब सुनारिया स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान खेल प्रबंधन में भी पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा देगा। इसकी शुरूआत मंगलवार को हुई। इसके बाद से यह आइआइएम देश का पहला संस्थान बन गया है जो खेल प्रबंधन का पाठ पढ़ाएगा। भारतीय प्रबंधन संस्थान ने खेल प्रबंधन के क्षेत्र में 2 साल के कार्यकारी पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की शुरूआत की। निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा ने बताया कि खेल उद्योग एक महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है। समय की मांग है इसे पेशेवर बनाना और खेल प्रबंधन इस मांग का उपयुक्त उपाय है।

खेल प्रबंधकों से खेल के विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं से निपटने की आशा रखी जाती है और आने वाले समय में खेल और उससे जुड़े मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव में कुशल खेल प्रबंधको की विशेष आवश्यकता होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए ही आइआइएम की ओर से यह डिप्लोमा शुरू किया गया है। वहीं, सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने बताया कि व्यक्तित्व विकास में खेल के अधिक महत्व है। खेलों ने ही सबको बचपन से शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर बनाने में मदद की है। खेल में भ्रष्टाचार के बढ़ते जोखिम पर विस्तार से बात करते हुए बीसीसीआइ के भ्रष्टाचार विरोधी शाखा के पूर्व मुख्य सलाहकार नीरज कुमार ने बताया कि विपणन और विज्ञापन के खेल में सम्मिलित होने से उनमें भ्रष्टाचार की वृद्धि हुई है। ऐसे में प्रबंधकों के रूप में खेल की भावना और अखंडता की रक्षा करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

रोहतक के आइआइएम मे आयाजित कार्यक्रम मे शिक्षको के साथ विद्यार्थी। ● जागरण

खेल प्रबंधकों से रहेगी उम्मीदें, लाएंगे खेल में बदलाव

पंजाब के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री राणा गुरमित सिंह सोढ़ी ने खेल के आयोजक के रूप में सावधान रहने की आवश्यकता को बताया। इसके अलावा, भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा उत्पादित स्नातकों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए उन्होंने बताया उन्हें यहां से निकलने वाले खेल प्रबंधकों से ऊंची उम्मीद है और वह इस पाठ्यक्रम के स्नातकों को जल्द ही भारतीय खेल में बदलाव लाते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

ये रहे मौजूद

भारतीय प्रबंधन संस्थान ने यह सुनिश्चित किया है कि सलाहकार निकाय में खेल के सभी पहलुओं के प्रतिनिधि रहें। इस निकाय में क्रिकेटर और कमेंटेटर अतुल, स्पोर्ट्स लेखक एवं स्तंभकार आजाम मेमन, भारतीय गोल्फर जीवन मिल्खा सिंह, हरियाणा राज्य मुक्केबाजी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कुणाल करण सिंह और हिसार जिले से भारत के खेल प्राधिकरण के सदस्य व भारत के पहले ब्लेड धावक मेजर डीपी सिंह, भारत ओलंपिक संघ के प्रधान नरेंद्र ध्रुव बत्रा पंजाब सरकार के खेल और युवा मामलों के मंत्री गुरमित सिंह सोढ़ी, बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई के पूर्व मुख्य सलाहकार नीरज कुमार और आरएन स्पोर्ट्स मार्केटिंग के प्रबंध निदेशक ऋषि नारायण मौजूद रहे।